PUBLIC WORKS DEPARTMENT BUILDINGS AND ROADS BRANCH JIND CIRCLE, JIND CORRIGENDUM

The December, 1986

In the Haryana Government Gazette, dated 28th January, 1986, Part I at pages 233-234, under Notification No. 425, dated 30th December, 1985, in the specification under column locality may be read as "Basodi H. B. No. 25" in place of Basodi Khurd H. B. No. 25.

(Sd.) .

Superintending Engineer,

Jind Circle, P.W.D., B. & R. Branch, Jind.

लोक निर्माण विभाग भवन तथा मार्ग शाखा

जीन्द वृत, जीन्द

शुद्धि-पत

दिनांक 1 दिसम्बर 1986

हरियाणा सरकार राजणात भाग I, दिनांक 28 जनवरी, 1986 के पृष्ठ संख्या 236 पर ग्रधिसूचना संख्या 425, दिनांक 30 दिसम्बर, 1985 के विशिष्ट में 'परिक्षेत्र' स्तम्भ के नीचे बसौदी खुद हु० नं० 25 के स्थान पर बसौदी हु० नं० 25 पढ़ें।

(हस्ताक्षर) . . .,

ग्रधीक्षक ग्रभियन्ता

जीन्द वृत लो० नि० बि भ० तथा स० शाखा जीन्द।

PUBLIC WORKS DEPARTMENT BUILDINGS & ROADS BRANCH CORRIGENDUM

The 11th December, 1986

At Sr. No. 1, in Para I of Haryana Government Notification No. 10/30 B. & R. (E) 5-86, dated 24th October, 1986, the name of the officer shall be read "Ranbir Singh" in stead of "Randhir Singh".

KIRAN AGGARWAL,

Commissioner and Secretary to Government Haryana, P.W.D., B. & R. Branch.

श्रम विभाग

ग्रादेश

दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

सं० ग्रो०वि०/एफ.डी./117-86/46763.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राग्र है कि मैं० त्यु कास्टींग प्लाट नं० 363-ए, सैंबटर-24, फरीदाबांद के श्रमिक महासचिव त्यु कास्टींग वर्करण यूनियन, जी-162, इन्दिरा नगर सैंबटर-7, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रीबोगिक विवाद, श्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई कित्वयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रीधिनियम की धारा 7-क के श्रीमिन गठित श्रीबोगिक श्रीधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट गामजा जो कि उक्त प्रवत्वकों तथा धामिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामजा है स्वयवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला है न्यायनिष्यं एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

दिनांक 16 दिसम्बर, 1986

सं ग्रो वि । एफ बी । | 72-86 | 46420 --- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं कास्ट-ई-कुला प्लाट नं 108, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक महासचित्र कास्ट-ई-कुना इन्पनाईन यूनियन 1ए / 119 एन प्राई.टीं. फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उकत श्रधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित श्रौद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट सामला जो कि उ∓त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बोच या तो विवादग्रस्त मामला हैं श्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित सामला है न्याय नेर्णय एवं पंचाट तीन सास में देने हेंतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या मैं कास्ट-ई-कुंला प्लाट नं 108, सैक्टर 6 फरीदाबाद द्वारा दिनांक 20 जून, 1986 से संस्था बन्द करने की कार्यवाही उचित है ? यदि नहीं, तो श्रमिक किस राहत के हकदार है ?

कुलबन्त सिंह,

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभागं।

दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

सं० ग्रो॰वि॰/एफ.डी./167-86/46756-—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० बी॰ एच० इण्डस्ट्रीज प्लाट नं० 98, सैक्टर-24फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री राम बरन सिंह मार्फत भारतीय मजदूर संव विश्वकर्मा भवन, नीलम वोटा रोड, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चंकि हरियाणा के राज्यभाल इस विवाद को न्यायनिर्गय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, भीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करतें हुये हरियाणा के राज्यपाब इसके द्वारा उक्त अधिनियम, की धारा 7-क के भ्रधीन गठित श्रीद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, करीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मासना जो कि उक्त प्रबन्ध को तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रत मामला हैं भ्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री रामबरन सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

कं ग्रो॰वि॰/एफ॰डी॰/99-86/46770.--च्ंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि चैयरमैंन मार्किट कमेटी, पलवल, के श्रमिक श्री योगेश चन्द्र शर्मा, पुर श्री गोकुल प्रसाद शर्मा, मार्फत 499, सैक्टर-16, फरीदाबाद सथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के संबंध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, भ्रव, भ्रौद्योगिक विवाद भ्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों क्यां प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त भ्रधिनियम की धारा 7 क के भ्रधीन गठित भ्रौद्योगिक भ्रधिकरण;

हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते है:--

क्या थी योगेश चन्द्र शर्मा की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो॰ वि०/एफ०डी०/174-86/46790.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० श्री दशमेश इन्जिनियरिंग एण्ड फैब्नोकेंटरस 1ए-1, गुरद्वारा रोड, जबाहर कालोनी, फरोदाबाद के श्रीमिक श्रो राजकुमार शर्मी, पुत्र श्री हत्रालदार शर्मा मार्फत हिन्द मजदूर सभा 29 शहीद चौक, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीचोगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछतीय समझते हैं ;

इसिल्ये, स्रव, स्रौद्योगिक विवाद स्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपगरा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त स्रिधिनियम, की धारा 7-क के स्रधीन गठित स्रौद्योगिक स्रिधिकरण, हरियाणा, फरोदाबाद, को नीचे विनिर्दिण्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा धिमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है स्रथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतू निर्दिण्ट करते हैं:---

क्या श्री राजकुमार शर्मा की सेवाग्नों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 16 दिसम्बर, 1986

सं० ग्रो॰वि॰/यमुना/57-86/47337--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं, बल्लारपुर इण्स्डट्रीज लि॰, गोपाल यूनिट यमुनानगर, के श्रमिक श्री राज, पुत्र श्री राम ग्रधार भाटिया, तम गुण्य पृत्ती, संगत राम बनुनानगर तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीचोगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (म) द्वारा अवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)84-3-अस, विवाक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उसते अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अन्वाला को विवादअस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनियं एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिण्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादअस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अध्यवा संबंधित मामला है :--

क्या श्री राजू की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तया ठीक है ? यदि नहीं, तो बढ़ कित राह्त का हकदार है ?

सं० भ्रो॰वि॰/यमुना/121-86/47343.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (i) नगरपालिका जगाधरी (ii) उपायुक्त, अम्बाला, के श्रीमक श्री सुरिन्द्र तिह, पुत्र श्री धर्म निह, मनान नं 883, बार्ड नं 2, पटरी मोहल्ला, जगाधरी तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित सामले में कोई श्रीकोषिक विवाद है :

भ्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते है;

इसलिए, यव, याँद्योगिक विवाद यथिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई णिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी यथिस्चना सं० 3(44)84-3-थ्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त यथिन्वना को धारा 7 के यथोन गठित श्रम न्यायालय, अन्याला को विवादप्रस्त या उसने सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करने हैं जोकि उक्त प्रयन्थकों तथा थामिक के बाच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री सुरिन्द्र सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यांच नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० स्रो०वि०/एफ०डी०/182-86/47353.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की रावे है कि मैं० टैक्सीर इण्डिया लि०, प्लाट नं 99, सैक्टर 24, फरीदावाद के श्रमिक श्री कालिका प्रसाद मार्फत श्री ग्रमर सिंह, लेवर यूनियन श्राफित, श्रपोजिट गवर्नमेंट गर्लज मिडल स्कूल नं ा, एन.ब्राई.टी. फरीदाबाद तथा उसके प्रवत्यकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीचोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, बौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हिरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रत मामला है अथवा विवाद में मुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत्, निदिष्ट करते हैं:---

क्या श्री कालिका प्रसाद की सैवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं गैरहाजिए होकर नौकरी से पुनेप्रहणाधिकार

(लियन) खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत की हकदार है ?

सं० श्रोविविविधिक्ष विश्व हिस्याणा के राज्यपाल की राय है कि मै. सुमन इंजीनियरिंग वर्कस, प्राप्त नं० 357, सैस्टर 24, फरीं राजाद के श्रीमक श्रो जोत सिंह, पुत्र श्री सिंह राम, गांव मुज्जेसर, पोस्ट ब्राफिस, सैक्टर 22, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्थकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अत्र, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उनधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित श्रोधोगिक प्रविकरण, हरियाणा, करीताबाद, को नोचे विविद्धित मामता जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विकादग्रस्त मामता है जाता विवाद है व्यापनिया प्रयोगिक प्रविक्ष मामता है जाता विवाद है तुमंगर या सम्बन्धित मामता है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मान में देते हैं। निर्देश्य करते हैं :—

क्या श्री जीत सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संबंधित हिन्दी । स्थापित की प्राप्त है कि मैं (1) कैंग्टन एम. एस. चीनी ठैकेंदार मार्फत मैं अधिरयन्टल स्टाफ कालिज सैक्टर 11, बाटा मोड़, फरीदाबाद (2) मैंनेजिंग डायरेक्टर, ख्रोरियन्टल स्टाफ कालिज सैक्टर 11, बाटा मोड़, फरीदाबाद (2) मैंनेजिंग डायरेक्टर, ख्रोरियन्टल स्टाफ काजिल सैक्टर 11, बाटा मोड़ फरीदाबाद के श्रमिक श्री तेजपाल, पुत्र श्री किजन लाल मार्फत कामगार यूनियन, 2/7 गोपी कलोनी, पुराना फरीदाबाद तथा उसके प्रकारों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई धौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या समबन्धित मामला है न्यायितगीय एवं पंचाट तीन मान में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री तेंजनाल की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा औक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/पानी/90-86/47408.—-चूंकि हरियाणां के राज्यसाल की राप है कि मै० भारत बूलन मिल्स, तीर्बन कालोनी, जी.टी. रोड पानीपत, के श्रीमिक श्रो जिले बिहु, पुत्र श्रो विशन दत्त मार्कत इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नटाईन वर्करज यूनियन पानीपत तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय करना बांछनीय समझते हैं; हेतु निर्दिध

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई क्षितियों का प्रयोग करते हुये हिस्याणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादअस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच यातो विवादअस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

वया श्री जिले सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?